



Sangeet Chaurasia



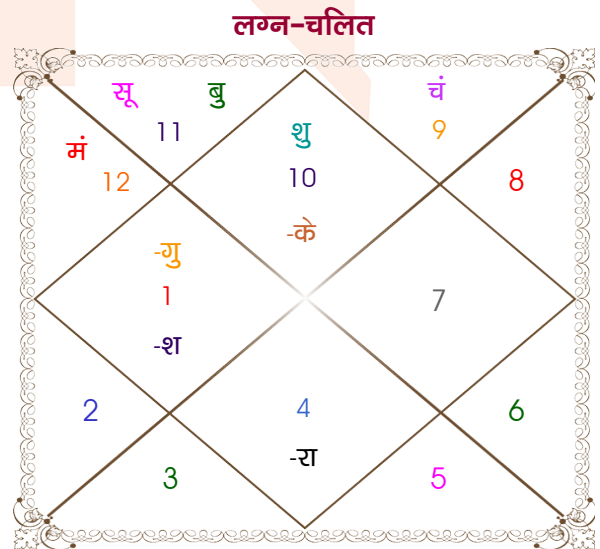
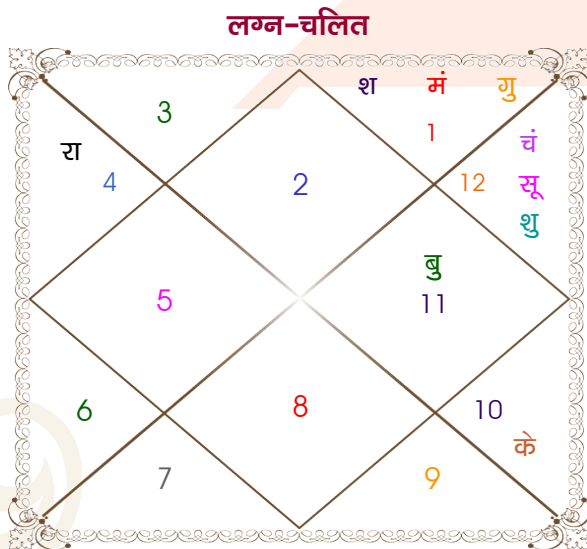
Prerna chaurasia

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121750209

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
04/04/2000 :	जन्म तिथि	: 1-02/03/2000
मंगलवार :	दिन	: बुध-गुरुवार
घंटे 09:29:00 :	जन्म समय	: 05:35:00 घंटे
घटी 08:55:05 :	जन्म समय(घटी)	: 57:55:02 घटी
India :	देश	: India
Bhilai :	स्थान	: Mathura
21:13:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:30:00 उत्तर
81:26:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:54:58 :	सूर्योदय	: 06:43:43
18:19:31 :	सूर्यास्त	: 18:19:41
23:51:23 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:20

<b>विंशोत्तरी</b> <b>शनि 4वर्ष 10मा 0दि</b> <b>केतु</b> <b>03/02/2022</b> <b>02/02/2029</b>	<b>अंश</b>	<b>राशि</b>	<b>ग्रह</b>	<b>राशि</b>	<b>अंश</b>	<b>विंशोत्तरी</b> <b>सूर्य 4वर्ष 8मा 12दि</b> <b>राहु</b> <b>13/11/2021</b> <b>14/11/2039</b>
केतु	20:41:36	वृष	लग्न	मक	24:33:40	राहु
शुक्र	20:50:02	मीन	सूर्य	कुंभ	17:51:34	गुरु
सूर्य	13:16:29	मीन	चंद्र	धनु	29:33:08	शनि
चन्द्र	14:59:12	मेष	मंगल	मीन	20:29:45	बुध
मंगल	23:54:50	कुंभ	बुध व	कुंभ	17:05:54	केतु
राहु	16:02:08	मेष	गुरु	मेष	09:00:28	शुक्र
गुरु	02:55:20	मीन	शुक्र	मक	21:57:31	सूर्य
शनि	22:00:35	मेष	शनि	मेष	18:38:03	चन्द्र
बुध	06:56:08	कर्क व	राहु	कर्क	09:22:50	मंगल
	06:56:08	मक व	केतु	मक	09:22:50	
	25:55:43	मक	हर्ष	मक	24:20:59	
	12:23:48	मक	नेप	मक	11:32:36	
	18:56:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:59:41	



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>31.50</b>		

Sangeet Chaurasia का वर्ग सिंह है तथा Prerna chaurasia का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sangeet Chaurasia और Prerna chaurasia का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Sangeet Chaurasia मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।**

**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sangeet Chaurasia कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।**  
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sangeet Chaurasia कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।**  
**न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sangeet Chaurasia कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Prerna chaurasia मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

### गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

### त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Prerna chaurasia कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sangeet Chaurasia तथा Prerna chaurasia में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।